



Indira Gandhi Had The Ugly looking Facilities

Mrs. Gandhi stayed in the newly constructed ITDC Lodge along with her entire family

The Dome

Why Do Archaeologists Rebury Their Excavations?

The practice helps preserve the site for future researchers

मोदी सरकार के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश करने को स्वीकृति मिली

विपक्ष इस स्वीकृति से काफी उत्साहित

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 26 जुलाई। लोकसभा के अंदर मंत्रिपरिषद में अविश्वास प्रस्ताव का स्वीकरण विपक्षी गठबंधन “इंडिया” के बढ़ते हुए आत्मविश्वास को दर्शाता है कि गठबंधन मणिपुर की गंभीर स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद में बोलने के लिये बाध्य कर सकता है, जहां नृजातीय हिंसा एवं संघर्ष 3 मई से लगातार चल रहा है।
कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने मंत्रिपरिषद में स्वीकार कर लिया। इससे पूर्व, विपक्ष के 50 सांसदों ने अपनी सीट पर खड़े होकर प्रस्ताव के प्रति अपना समर्थन दर्शा दिया था।
इस संसदीय लड़ाई में, विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव के साधन का रणनीतिक उपयोग करने का निर्णय लिया था। इस मुहिम के अंतर्गत, गोगोई ने नियमानुसार बुधवार को प्रातः 10 बजे से पहले मणिपुर के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया था।
नवगठित विपक्षी गठबंधन “इंडिया” के हिस्से के रूप में कांग्रेस पार्टी ने तथा इसके अलावा तेलंगाना की “भारत राष्ट्र समिति” (बी.आर.एस.)

विपक्ष का मानना है कि, अब प्र.मंत्री मोदी को लोकसभा में मणिपुर की स्थिति पर बोलने के लिये “मजबूर” किया जा सकेगा।

हालांकि, सरकार का मानना है कि, देश की आंतरिक स्थिति पर गृह मंत्री भी सदन को संबोधित करते हैं, यह संसदीय परम्परा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव को बहस के लिये स्वीकार किया। लगभग 50 सांसदों ने खड़े होकर गोगोई के प्रस्ताव का समर्थन किया।

विपक्ष का मकसद विश्वास प्रस्ताव के मार्फत विपक्ष की एकता प्रदर्शन करना, व संसद में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये मणिपुर की विषम स्थिति पर बहस करना भी है।

ने मोदी सरकार के खिलाफ लोकसभा में दो अलग-अलग अविश्वास प्रस्ताव पेश किये।

यह कदम तब उठाया गया, जब सत्तारूढ़ दल “इंडिया” की इस मांग को स्वीकार करने के लिये राजी नहीं हुआ कि प्रधानमंत्री मणिपुर की मौजूदा स्थिति पर बयान दें। हालांकि मोदी इस मुद्दे पर संसद के बाहर तो बोले थे लेकिन वे संसद के दोनों सदनों के अंदर कोई बयान देने के लिये तैयार नहीं थे।
इस तथ्य की पूरी जानकारी के

में सरकार की असमर्थता 20 जुलाई से शुरू हुई मानसून सत्र में शुरू से ही संसद के दोनों सदनों में कोई काम नहीं हो पाने के मुख्य कारण रहे हैं।
विपक्षी दलों द्वारा लाये गये इस अविश्वास प्रस्ताव के संख्यात्मक परीक्षा में असफल होने की पूरी-पूरी संभावना के बावजूद, विपक्षी दलों का कहना है कि मणिपुर के मुद्दे पर बहस के दौरान सरकार को घेरने से उन्हें “छवि की लड़ाई” में विजय मिलेगी। विपक्ष का कहना है कि इस रणनीति के फलस्वरूप, प्रधानमंत्री इस अति ज्वलंत विषय पर संसद को संबोधित करने के लिये बाध्य होंगे, भले ही सरकार इस बात पर अड़ी हुई हो कि मणिपुर की स्थिति पर होने वाली बहस का जवाब केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह देंगे।

चूँकि लोकसभा में स्पष्ट बहुमत के लिये 272 सदस्य संख्या जरूरी है, इसलिये प्रधानमंत्री मोदी का नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) अपने 331 सदस्यों के चलते पूरी तरह सुरक्षित हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया के 144 सांसद हैं, जबकि के.सी.आर. की भारत राष्ट्र समिति और जगन रेड्डी की वाय.एस.आर.सी.पी. तथा बीजू जना दल की कुल सदस्य संख्या 70 है।
(शेष पृष्ठ 7 पर)

जोधपुर विश्वविद्यालय गैंगरेप केस में जांच पूरी

जोधपुर, 26 जुलाई (कासं)। शहर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में गत 16 जुलाई रविवार की अलसुबह एक नाबालिग के साथ हुए गैंगरेप के मामले में पुलिस ने जांच पूरी कर ली है, जिसका बुधवार सुबह पॉक्सो अदालत में चालान पेश किया गया।
पुलिस उपायुक्त, पूर्व, डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में जांच अधिकारी एडिशनल डिप्टी कमिश्नर पुलिस

16 जुलाई को नाबालिग के साथ हुए सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिस ने मात्र 10 दिन में जांच पूरी कर ली और अपराधियों के खिलाफ चालान पेश कर दिया।

(ए.डी.सी.पी.) निशांत भारद्वाज के नेतृत्व में गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने साक्ष्य जुटाकर आरोप पत्र तैयार कर लिया है। शहर में संभवतः दुष्कर्म से जुड़े किसी मामले में महज 10 दिन में जांच पूरी कर चालान पेश करने का यह पहला प्रकरण है। पुलिस आयुक्त रविचंद्र गौड़ खुद भी पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।
ज्ञातव्य है कि, 15-16 जुलाई को रात को तीन छात्र समंदर सिंह, धर्मपाल (शेष पृष्ठ 7 पर)

चीन के विदेश मंत्री अचानक क्यों हटाये गये?

पदच्युत विदेश मंत्री राष्ट्रपति शी की व्यक्तिगत “चॉइस” थे, अतः उन्हें क्यों अचानक हटाया गया?

—अंजन रॉय—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 26 जुलाई। चीन के नवनियुक्त विदेश मंत्री चिन गांग का एकाएक गायब हो जाना देश के सर्वोच्च नेता के लिये लज्जा का विषय बन गया है।
इसका एक बड़ा कारण यह है कि अन्य बहुत से नेताओं को दरकिनार कर, चिन गांग विदेश मंत्री बनाये गये थे। उन्होंने पूर्व विदेश मंत्री वांग यी को जगह नियुक्त किया गया था, जो एक दशक से विदेश मंत्रालय के मुखिया रहे थे तथा एक सिद्धहस्त नेता थे।
इससे यह सिद्ध हो गया था कि चिन गांग, चीन के सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग की निजी पसंद थे। अब चिन गांग को एकाएक हटा देने का मतलब होगा— उनके निर्णय तथा अति उच्च स्तर के पद पर चयन के मामले में बहुत बड़ी गलती होना। इसका सारा दोष शी जिनपिंग के सिर जायेगा।
लेकिन किसकी मजाल है, जो शी के निर्णय को गलती के बारे में बात करें, क्योंकि यह कदम शी जिनपिंग के प्रति अंधी निष्ठा की बुनियाद पर खड़े संपूर्ण तंत्र को हिलाकर रख देगा। इसलिये, चीनी सैन्य चीन के सोशल मीडिया तथा अन्य प्लेटफॉर्म से चिन गांग के सभी संदर्भों को छीट-छीट कर हटा रहा

इतने वरिष्ठ मंत्री को हटाना क्या चीन के राजनीतिक व प्रशासनिक सिस्टम की अपरिपक्वता व त्रुटिपूर्ण होने का लक्षण है?

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, एक तरफ तो चीन विश्व में यह स्थापित करने का प्रयास कर रहा है कि, उसकी राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था विश्व में सबसे बेहतर है तथा विश्व के अन्य देशों को उसका अनुसरण करना चाहिये। दूसरी ओर विदेश मंत्री जैसे वरिष्ठ अधिकारी व राजनीतिक हस्ती का चयन “गलत” साबित होना, चीन के लिये अटपटी स्थिति उत्पन्न करता है।
इस पूरे परिदृश्य का एक निष्कर्ष तो यह है कि चिन का शी की कृपा से वंचित होने का कारण बहुत गंभीर— राजनैतिक मतभेद हो सकता है। अन्यथा, यह सब एकाएक और इतनी तेजी से नहीं हुआ होता। चिन तथा अमेरिका में चीनी राजदूत के रूप में उनकी गतिविधियां तथा हाल ही में, यू.एस. सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एन्टनी ब्लिंकन के साथ उनकी मीटिंग सब कुछ पढ़ें के पीछे है।
चिन चीनी राष्ट्रपति के अत्यधिक नजदीक लोगों में से थे तथा कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख थे। जब तक कोई व्यक्ति, जो पूरे तंत्र में अति महत्वपूर्ण न हो तथा शी जिनपिंग के सचमुך नजदीक न हो,

उसकी नियुक्ति एकाएक विदेश मंत्री के पद पर नहीं हो सकती थी।
चिन ने “बुल्फ डिप्लोमेट” की भूमिका निभाई थी, जिसे अमेरिका तथा करीब-करीब सभी पश्चिमी देशों के प्रति अपने विरोध के रूप में कुछ समय तक चीन ने प्रोत्साहित किया था। अपनी नियुक्ति के शीघ्र बाद ही, चिन मास्को यात्रा पर गये थे तथा वहाँ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ उनकी मीटिंग हुई थी।
लेकिन इसके कुछ समय बाद ही, वे रतों-रात सार्वजनिक परिदृश्य से गायब हो गये। इस तरह उनके एकाएक (शेष पृष्ठ 7 पर)

डी.एम.के. के भ्रष्टाचार व स्कैम्स की फाइल राज्यपाल को पेश

—लक्ष्मण वैकट कुची—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 26 जुलाई। राज्यव्यापी पदयात्रा पर निकलने से पहले भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने अपने वादे के अनुसार “डी.एम.के. फाइल पार्ट-2” (द्रमुक) जारी की, जो डी.एम.के. के मंत्रियों के घोटालों का संकलन है जो 5600 करोड़ रूपए का है।
भाजपा नेता ने अपनी संकलित जानकारी तमिलनाडु के राज्यपाल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने “डी.एम.के. फाइल पार्ट टू” पेश करते हुए, एक विडियो भी जारी किया, जिसमें उनके अनुसार भ्रष्टाचार के सभी सबूत व दस्तावेज हैं

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के अनुसार 5,600 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है, डी.एम.के. सरकार ने।

आर.एन. रवि को एक ज्ञापन के रूप में सौंपी और कहा कि वे सत्तारूढ़ द्रमुक के मंत्रियों, विधायकों एवं सांसदों के बेनामी संपत्कों पर कार्रवाई के आदेश जारी करें।
अन्नामलाई ने अपनी एक तस्वीर ट्वीट की जिसमें वे राज्यपाल को ज्ञापन सौंप रहे हैं और कहा कि भाजपा डी.एम.के. फाइल पार्ट-2 पर कार्रवाई चाहती है जिसमें डी.एम.के. के प्रथम परिवार और उसके निकटवर्ती लोगों के कारनामों की जानकारी है।
भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा संचालित मैडिकल कॉर्पोरेशन में 600 करोड़ रूपए, राज्य परिवहन विभाग में, 2000 करोड़ रूपए और डी.एम.के. से जुड़ी एक फर्म

के मामले में 3000 करोड़ रूपए का घोटाला है और तीनों मिलाकर 5600 करोड़ रूपए है। भाजपा नेता ने 16 मिन्ट का एक वीडियो क्लिप जारी किया जिसमें घोटालों के आरोप वाले दस्तावेज हैं। भगवा पार्टी ने इन्हें डी.एम.के. पार्ट-1 के बाद डी.एम.के. फाइल पार्ट-2 कहा है। अन्नामलाई ने कहा, “हम अपनी पदयात्रा के दौरान प्रेम और मीडिया में अपने मित्रों को विस्तार से बताएंगे। हम प्रष्ट डी.एम.के. सरकार से जवाब मांगते हैं।
अन्नामलाई ने डी.एम.के. के फाइल का पहला भाग जारी किया था जिसमें आरोप था कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को 2011 के चुनावी चंदे के (शेष पृष्ठ 7 पर)

बोनमैरो ट्रांसप्लांट के 60 लाख रु. मय ब्याज अदा किए जाएं

जयपुर, 26 जुलाई। जयपुर मेट्रो की स्थाई लोक अदालत ने ई.एस.आई.सी. बीमाधारक को राहत देते हुए ई.एस.आई.सी. व राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह परिवारी के बेटे के बोनमैरो ट्रांसप्लांटेशन सहित अन्य इलाज पर खर्च हुए 60 लाख रूपए 2 दिसंबर 2021 से सात प्रतिशत ब्याज

जयपुर मेट्रो की स्थाई लोक अदालत ने ई.एस.आई.सी. और राज्य सरकार को परिवारी के बेटे के इलाज पर खर्च राशि लौटाने के आदेश देने के साथ ही इन पर 1.21 लाख रु. का हर्जाना भी लगाया है।
सहित दे। वहीं अदालत ने इलाज में लापरवाही बरतने और परिवारी पक्ष को हुई परेशानी पर ई.एस.आई.सी. व राज्य सरकार पर 1.21 लाख रूपए का हर्जाना लगाया है। अदालत के अध्यक्ष हरविन्दर सिंह ने यह आदेश दीपक पारीक के (शेष पृष्ठ 7 पर)

‘आपका पक्ष, संसद में आपके ‘एक्शन’ से मेल नहीं खाता’

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा उनको लिखे गये पत्र पर काफी सख्त टिप्पणी की

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 26 जुलाई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से “अमूल्य सहयोग” के लिए प्राप्त हुए पत्र के बाद आज कांग्रेस अध्यक्ष ने जवाबी हमला बोलते हुए लिखा कि उनके शब्द संसद में सत्तारूढ़ पार्टी की गतिविधियों से मेल नहीं खाते।
केन्द्रीय गृह मंत्री ने कल खड़गे को एक पत्र लिखकर विपक्ष से “अमूल्य सहयोग” मांगा था और उन्हें पार्टी लाइन से ऊपर उठने को कहा था।
शाह के पत्र का जवाब देते हुए खड़गे ने संसद के वर्तमान सत्र में मणिपुर पर चर्चा की, विपक्ष की मांग दोहराई और कहा कि उनके शब्द उनके कारनामों से मेल नहीं खाते।
खड़गे ने अपने पत्र में कहा “जो पत्र हमें आपसे मिला है वह तथ्यात्मक नहीं है। आपके शब्दों और कामों में बहुत दर्ज हुआ है।
मणिपुर में 3 मई को जातीय हिंसा भड़काने के बाद से अब तक 150 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं।
इस बीच खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि कार्रवाई के दौरान जब वे बोल रहे थे तब उनका माइक बंद कर दिया गया था इस तरह से उनके “आत्मसम्मान को चुनौती” दी गई है।
यह प्रस्ताव सदन में आपाधापी के बीच आया, जब विपक्ष के सदस्य नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मणिपुर में तीन महीने से चल रहे जातीय दंगों पर वक्तव्य की मांग कर रहे थे इसके जवाब में भाजपा नेता गटबन्धन ने “मोदी मोदी” के नारे लगाकर सदन में अफरातफरी मचा दी। कार्रवाई दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी गई।
कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, “यह मेरे विशेषाधिकार का हनन है। यह मेरा अपमान है। मेरे आत्मसम्मान को चुनौती

अमित शाह ने खड़गे को पत्र लिखकर “बहुमूल्य सहयोग” मांगा था।
ज्यादा अंतर है। सरकार असहनशील है और संसद पर अपनी मर्जी थोप रही है।” उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर पर बयान दें, जिसके बाद संसद में चर्चा हो।
विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, जब 4 मई की घटना का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर आया, जिसमें दो महिलाओं को निर्बरत्र चुमाया गया है।
मणिपुर पुलिस ने वीडियो में नजर आ रहे कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा है कि थोड़क जिले के नौगणोक सेकमई थाने में अपहरण गैंगरेप और हत्या का मुकदमा

दी गई है। अगर सदन सरकार के निर्देशों पर चलता है तो मैं समझता हूँ, यह लोकतंत्र नहीं है।
राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने भाषण के बीच व्यवधान पर नाराजगी जताई जिससे विपक्षी सदस्यों में शोरगुल आरंभ हो गया। सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें अपने स्थान ग्रहण करने को कहा।
जब खड़गे को सूचित किया गया कि उनके पीछे कतार में कई सांसद खड़े हैं तो कांग्रेस नेता ने कहा “मेरे पीछे नहीं खड़े होंगे तो क्या मोदी के पीछे खड़े होंगे। धनखड़ और कई सदस्य खड़गे की टिप्पणी पर मुस्करा दिए।
धनखड़ ने खड़गे तथा सदन के नेता पीयूष गोयल से स्थिति संभालने में मदद मांगी। इन प्रयासों के बावजूद गर्मागर्मी जारी रही।
सभापति ने स्पष्ट किया कि माइक (शेष पृष्ठ 7 पर)

कन्हैया हत्याकांड के एक आरोपी ने जमानत मांगी

जयपुर, 26 जुलाई। बुधवार को, नैशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) मामलों की विशेष अदालत में उदयपुर के कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड प्रकरण की सुनवाई एक अगस्त तक टल गई है। पीठासीन अधिकारी के

एन.आई.ए. मामलों की विशेष अदालत में उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के एक आरोपी ने जमानत अर्जी दायर की है। कोर्ट में जमानत अर्जी और हत्याकांड के मामले में एक अगस्त को सुनवाई होगी।
अवकाश पर होने के चलते मामले में बहस नहीं हो सकी। वहीं, मामले के एक आरोपी मोहम्मद जावेद ने कोर्ट में जमानत अर्जी दायर की है। इस जमानत अर्जी पर भी एक अगस्त को सुनवाई होगी।
(शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सीकर में कई बड़ी योजनाओं की सौगात देंगे व किसान सम्मान निधि की राशि करेंगे जारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस साल राजस्थान में खासे सक्रिय दिख रहे हैं। बीते 9 महीनों में प्रधानमंत्री का यह आठवां दौरा होगा

जयपुर, 26 जुलाई। भाजपा के मिशन मरुधरा के तहत प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को फिर से प्रदेश के दौर पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस साल राजस्थान में खासा सक्रिय दिख रहे हैं। बीते 9 महीनों में प्रधानमंत्री का यह आठवां दौरा होगा।
वर्ष 2022 में 30 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी आबू रोड आए थे, लेकिन सभा को संबोधित नहीं कर पाए थे। इसके बाद 1 नवंबर 2022 को बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम आए थे। वर्ष 2023 में मोदी 28 जनवरी को भीलवाड़ा के आसींद में और 12 फरवरी को दौसा के दौर पर रहे थे। इसके बाद 12 मई को प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी लाल डायरी, पेपर लीक, कानून व्यवस्था सहित कई प्रकरणों का जिक्र कर सकते हैं।
मोदी की सीकर यात्रा के राजनैतिक मायने देखे जा रहे हैं, क्योंकि 2018 के चुनावों में शेखावाटी की 21 सीटों में से भाजपा को दो ही सीटें मिली थीं, इसलिए भाजपा मोदी की लोकप्रियता के आधार पर शेखावाटी में अपनी जमीन मजबूत करना चाहती है।
सीकर में ही मोदी एक लाख पी.एम. किसान समृद्धि केन्द्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे और किसानों को 17 हजार करोड़ रु. की 14वीं किश्त भी जारी करेंगे।
मोदी प्रदेश में 5 नए मैडिकल कॉलेज और 6 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का भी उद्घाटन करेंगे।

नाथद्वारा और आबूरोड आए थे। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार के 9 साल पूरे होने पर 31 मई को अजमेर और

पुष्कर का दौरा किया था और कई योजनाएं लॉन्च की थीं। इसके बाद हाल ही में 8 जुलाई को मोदी ने बीकानेर का

दौरा किया था। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा ने पूरी तैयारियां

गुदा की बर्खास्तगी से लेकर निलंबन तक के मामले को भुनाएंगे तथा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह जिले में पेपर लीक और युवाओं के मसले पर मौजूदा अशोक गलहोले सरकार को आड़े हाथ लेंगे।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दौरान एक लाख पीएम किसान समृद्धि केन्द्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की तकरीबन 17 हजार करोड़ रूपए की 14वीं किश्त भी जारी करेंगे।
जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी सुबह करीब 11:15 बजे सीकर पहुंचेंगे। यहां राष्ट्रीय परियोजनाओं के (शेष पृष्ठ 7 पर)

राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और सी.बी.आई. को नोटिस जारी कर यह सवाल पूछा है। नैक्सा एवर ग्रीन ठगी के आरोपियों पर देश भर के हजारों लोगों से 11,000 करोड़ रु. ठगने का आरोप है।
जाए। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने सत्यवीर सिंह व अन्य की याचिका पर यह नोटिस जारी किए। याचिका में अधिवक्ता मोहित खडेलवाल ने अदालत को बताया कि प्रकरण में जयपुर और सीकर सहित (शेष पृष्ठ 7 पर)

नैक्सा एवर ग्रीन ठगी केस की जांच सी.बी.आई. को?

जयपुर, 26 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और सी.बी.आई. को नोटिस जारी कर पूछा है कि हजारों लोगों से कई हजार करोड़ रूपए के नैक्सा एवरग्रीन ठगी प्रकरण की जांच क्यों ना सी.बी.आई. से कराई

राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और सी.बी.आई. को नोटिस जारी कर यह सवाल पूछा है। नैक्सा एवर ग्रीन ठगी केस के आरोपियों पर देश भर के हजारों लोगों से 11,000 करोड़ रु. ठगने का आरोप है।
जाए। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने सत्यवीर सिंह व अन्य की याचिका पर यह नोटिस जारी किए। याचिका में अधिवक्ता मोहित खडेलवाल ने अदालत को बताया कि प्रकरण में जयपुर और सीकर सहित (शेष पृष्ठ 7 पर)

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुड़ा को डराने का प्रयास : उनके खिलाफ एक्शन होगा यह चर्चा चलाई जा रही है

कानाफूसी यह भी फैलायी जा गयी है कि जमीन पर कब्जे के एक साल पुराने केस में की जा सकती है गिरफ्तारी

जयपुर, (का.सं.)। अपनी ही सरकार में तीखे सवाल पूछने के लिये चर्चित और अब सदन में दिए गए बयान के बाद मंत्री पद से बर्खास्त किए गए राजेंद्र सिंह गुड़ा की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। बहु प्रचारित चर्चा के अनुसार एक और तो उनके पुराने मामलों को लेकर फाइलें सीआईडी सीबी को भेज दी गई हैं वहीं उनके नजदीकी लोगों पर भी कार्यवाही शुरू हो गई है वहीं राजस्थान के जलदाय मंत्री महेश जोशी ने गुड़ा पर जल्द ही मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाने की तैयारी शुरू कर दी है। क्या पूर्व मंत्री गुड़ा पर मामले दायर करने का यह सिलसिला वाजिब है या केवल डराने-धमकाने की तकनीक?

राजस्थान सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुड़ा से जुड़े एक साल पुराने जमीनी विवाद से जुड़े केस की फाइल अब पुलिस महानिरीक्षक ऑफिस से सीआईडी-सीबी

को भेजी गई है। इसी के साथ सरकार ने गुड़ा के करीबियों पर भी एक्शन शुरू करते हुए भ्रष्टाचार के मामले में गुड़ा के करीबी उदयपुरवादी नगर पालिका के चेयरमैन रामनिवास सैनी को स्वागत शासन विभाग ने दो दिन पहले ही सस्पेंड कर दिया है।

दरअसल जिस मामले की फाइलें सीआईडी सीबी में भेजी गई हैं, उसी मामले में पहले गुड़ा के निजी सहायक दीपेंद्र सिंह और साले अभय सिंह की गिरफ्तारी हो चुकी है। अब कहा जा रहा है कि पुलिस पूछताछ और जांच में गुड़ा को भी भूमिका बताई जा रही है। जिस किसकी बात हो रही है। दरअसल वह एक साल पहले जयपुर ग्रामीण के गोविंदगढ़ थाने के बलेखन गांव का है।

यहां दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले डॉ बनवारी लाल मील के हॉस्पिटल पर 20 अगस्त 2022 को कब्जा करने के लिए बड़ी संख्या में बदमाश गुड़ा के साले

■ **मंत्रियों को रेपिस्ट कहने के आरोप में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने का डर दिखाया जा रहा है**

अभय तसह के साथ पहुंच था उस दौरान घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से 14 लोगों को हॉस्पिटल पर कब्जा करने के मामले में गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस ने गुड़ा के निजी सहायक दीपेंद्र सिंह और बिल्डर सत्यनारायण गुला को भी गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने राजेंद्र गुड़ा को भी आरोपी मानते हुए नामजद किया था। उस समय गुड़ा मंत्री थे, इसलिए पुलिस कार्यवाही करने से बचती रही।

अब कहा जा रहा है कि पुलिस मुख्यालय की सीआईडी (सीबी) ने केस की फाइल पर गुड़ा के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। जयपुर ग्रामीण पुलिस इस केस में अपना पूरा काम कर चुकी है और उसके बाद फाइल को सीआईडी सीबी के पास भेजा गया है। ऐसे में अब गुड़ा की गिरफ्तारी हो सकती है। नियमानुसार विधायक या मंत्री के खिलाफ दर्ज केस की जांच सीआईडी सीबी से कराना होता है। इसलिए फाइल को पुलिस मुख्यालय में सीआईडी सीबी के पास भेजी गई है।

इधर बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुड़ा की ओर से लगाए गए आरोपों को लेकर जलदाय मंत्री महेश जोशी ने मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाने की तैयारी शुरू कर दी है। गुड़ा ने विधानसभा में हुए सारे घटनाक्रम के बाद मीडिया के सामने मंत्री महेश जोशी सहित कई मंत्रियों को रेपिस्ट करार दिया था। जोशी ने पीसीसी में

मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं राजेंद्र गुड़ा के खिलाफ मानहानि की एफआईआर दर्ज करवा रहा हूँ। वकीलों से राय ले रहा हूँ, उसके बाद थाने जाकर केस करूंगा। जिस तरह के आरोप उन्होंने मुझ पर लगाए हैं, उसका जवाब उन्हें कोर्ट में देना होगा।

महेश जोशी ने कहा कि राजेंद्र गुड़ा ने बीजेपी के साथ मिलकर कांग्रेस को बदनाम करने का प्रयास किया है। एक चीज को डायरी जैसा बताया जा रहा है जो डायरी लग ही नहीं रही। अगर उनके पास कोई लाल डायरी है, तो बताना चाहिए कि उस लाल डायरी में क्या है? गुड़ा विधानसभा में जिसे लाल डायरी

बताकर लहरा रहे थे, वे खुद चाह रहे थे कि वह इधर उधर हो जाए जिससे कि बाद में वे कह सकें कि वह खो गई। कांग्रेस के किसी विधायक के पास वह कथित डायरी है या गुड़ा ने उसे कहीं फेंक दी, वो तो वही जाने।

जोशी ने कहा कि गुड़ा जिस समय विधानसभा में डायरी लहरा रहे थे, उसके कुछ देर बाद ही बीजेपी विधायक भी छोटी-छोटी लाल डायरियां लेकर आ गए जिस समय गुड़ा मामला उठा रहे थे, उसी समय बीजेपी के विधायक भी लाल डायरियां लहरा रहे थे। यह साजिश की तरफ साफ इशारा कर रहा है। बिना मिलीभगत ऐसा नहीं हो सकता।

डीसीपी के आदेश पर दुष्कर्म पीड़िता की एफ.आई.आर.दर्ज

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने डीसीपी ईस्ट के आदेश पर एक युवती के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता ने डीसीपी ईस्ट ज्ञानचंद यादव को बताया कि उसके साथ विक्रम सिंह नाम के एक युवक ने दुष्कर्म किया। आरोपी ने इसका एक विडियो भी बनाया और आए दिन उसे विडियो वायरल करने के नाम पर धमकाता रहता है। आरोपी से परेशान होकर पीड़िता ने महेश नगर थाने में शिकायत दी लेकिन यहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

गत 17 जुलाई को पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में शिकायत दी लेकिन पुलिस ने राजीनामा करवा कर घर भेज दिया। जिस पर पीड़िता ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी डीसीपी को दी, जिस पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि डीसीपी के आदेश पर युवती की शिकायत दर्ज कर ली है। आरोपी विक्रम सिंह उसी की कॉलोनी

में रहता था। आरोपी ने जबन उसके घर पर घुसकर उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया और इसकी उसने फोटो और विडियो भी बना लिए। आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने इस संबंध में किसी को बताया तो वह उसकी फोटो और विडियो को वायरल कर देगा। उसे और उसकी फैमिली को बदनाम कर देगा। जिसके कारण पीड़िता ने इस संबंध में किसी को कोई बात नहीं बताई। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने शिकायत दी है कि विक्रम सिंह विडियो और फोटो के आधार पर पीड़िता को बार-बार ब्लैकमेल कर रहा है। साथ ही अब वह पीड़िता को अन्य लोगों के पास संबंध बनाने के लिए भी भेज रहा है। इसके भी आरोपी ने विडियो बना लिए हैं। पीड़िता ने बताया कि एक बार उसने महेश नगर थाने में आरोपी विक्रम सिंह के खिलाफ शिकायत दी थी। विक्रम सिंह ने अपनी पहुंच के कारण कोई कार्यवाही नहीं होने दी। जिस कारण से पीड़िता विक्रम सिंह से काफी डरी हुई है।

‘वेतन वृद्धि तिथि के एक दिन पहले सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी भी वृद्धि के हकदार’

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता करीब डेढ़ सौ सरकारी कर्मचारियों के पक्ष में अदालत ने फैसला दिया है कि वे सरकार से प्रतिवर्ष काम करने के लिये वेतन में अनुमानित वृद्धि के हकदार हैं, चाहे वे इस वृद्धि को लागू करने की तिथि से एक दिन पहले सेवानिवृत्त हो गये हों।

इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से मुख्य तौर पर अधिवक्ता विज्ञान शाह, संदीप सक्सेना, लोकेन्द्र सिंह, हनुमान चौधरी, शाश्वत पुरोहित, तनवीर अहमद पैरवी के लिये पेश हुए थे। न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश विजयसिंह व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

■ **न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश विजयसिंह व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये।**

■ **उल्लेखनीय है कि सामान्य परिस्थितियों में ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति महीने के अंत में होती है। वर्तमान मामलों में 24 घंटों में ही उन्हें वेतन वृद्धि से वंचित कर दिया जाता था।**

इस मामले में कई सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों द्वारा रिट याचिका दायर की गई थी क्योंकि वे 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे थे जबकि 1 जुलाई से उन्हें वेतन में वृद्धि मिलती। उल्लेखनीय है कि सामान्य परिस्थितियों

में ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति महीने के अंत में होती है। वर्तमान मामलों में 24 घंटों में ही उन्हें वेतन वृद्धि से वंचित कर दिया जाता था। अदालत के समक्ष यह मुद्दा था कि पूरे साल काम करने के बाद अगर

सरकारी कर्मचारी वेतन में वृद्धि प्राप्त करने से एक दिन पहले ही सेवानिवृत्त हो जाये तो वह वेतन में वृद्धि के लिये योग्य नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि इन सरकारी कर्मचारियों को वेतन वृद्धि से वंचित रखना नीति और कानून के उद्देश्य से गलत होगा।

उनका कहना था कि राज्य सरकार अपने दायित्व से मनमाने तरीके से अपना हाथ नहीं छुड़ा सकती। अदालत ने सभी तर्कों को सुनने के बाद राज्य सरकार को कहा कि याचिकाकर्ताओं को वेतन वृद्धि दी जाये और अगले तीन महीनों में बकाया पेंशन भुगतान भी करे।

अब संविदा कार्मिकों को भी पूर्व में की गई सेवा का लाभ मिल सकेगा

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य सरकार के विभिन्न अधिसूचना प्रस्तावों को मंगलवार को स्वीकृति प्रदान की है।

संविदा कार्मिकों को पूर्व में की गई सेवा का लाभ राज्य सेवा की उस प्रस्ताव अधिसूचना को मंजूरी प्रदान की है जिसके अंतर्गत अन्य सेवाओं से आईएसएस में चयन (राजस्थान कांटेक्ट्रैचुअल अपॉइंटमेंट टू सिविल पोस्ट रूल 2022) की ही तरह संविदा कार्मिकों को भी पूर्व में की गई सेवा का लाभ मिल सकेगा।

मिश्र ने मंगलवार को संविदा कार्मिकों को नवीन संविदा नियमों में आने

28 जिलों में खुलेंगे विवेकानन्द यूथ हॉस्टल

जयपुर। प्रदेश के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब जिला मुख्यालयों में आवास की सुविधा मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 28 जिलों में विवेकानन्द यूथ हॉस्टल खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हॉस्टल निर्माण के लिए 78.18 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

विवेकानन्द यूथ हॉस्टल के निर्माण पूर्ण होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के लिए 84 लाख रुपए का प्रावधान भी किया गया है। इन हॉस्टल में 50-50 आवासोपयुक्त क्षमता होगी। गौरतलब है कि जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर एवं कोटा में भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा युवा आवास पूर्व से ही संचालित है।

वन संरक्षण विधेयक, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के मद्देनजर महत्वपूर्ण है : दीया कुमारी

जयपुर। राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने आज संसद में वन संरक्षण विधेयक 2023 का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) निरसदेह एक वैश्विक चुनौती है और भारत ने इसके प्रभाव से निपटने के लिए कार्बन सिंक बनाने का जिम्मा उठाया है। यह जिल नए वर्तों की स्थापना और वृक्षारोपण की सुविधा प्रदान करके देश के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जो 2030 तक 2.5 से 3 बिलियन टन 2 के बराबर कार्बन सिंक बनाने की प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

राजसमंद सांसद सदन में वन संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा के दौरान बोल रही थीं। वह

नेवटा बांध और कानोता बांध बनेगा ईको एडवेंचर टूरिज्म साइट

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जयपुर के नेवटा और कानोता बांध को अब ईको एडवेंचर टूरिज्म साइट के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार इनमें विकास कार्यों पर 6.24 करोड़ रुपए व्यय करेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

जयपुर स्थित कानोता बांध पर लगभग 2.48 करोड़ रुपए की लागत से बर्ड वॉचिंग प्लेटफॉर्म, छतरी का निर्माण, 600 मीटर लम्बी पैरापेट दीवार सहित विभिन्न प्रकार के निर्माण

■ **राज्य सरकार इनमें विकास कार्यों पर 6.24 करोड़ रुपए व्यय करेगी**

किए जाएंगे। नेवटा बांध पर लगभग 3.75 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य होंगे। यहां प्रवेश द्वार से बांध की तरफ जाने वाला मार्ग भी बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गहलोत द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

शहीद मीणा के परिजनों को तैल चित्र भेंट

जयपुर, (का.सं.)। शहीद राजेंद्र प्रसाद के पिता शंभू दयाल मीणा वीरगंगा ममता मीणा पुत्र योगेश व पुत्री काव्या को राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राजभवन में जाने-माने चित्रकार चंद्र प्रकाश गुप्ता की ओर से तैयार शहीद का तैल चित्र भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने शहीद के पिता शंभू दयाल मीणा से परिवार की कुशलक्षेम भी पूछी इस मौके पर चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता व एडवोकेट यूनस खान भी मौजूद थे।

चित्रकार गुप्ता अब तक 300 से भी अधिक शहीदों के तैल चित्र तैयार कर उनके परिजनों को भेंट कर चुके हैं उल्लेखनीय है कि दोसा जिले के दिलावरपुर गांव के राइफलमैन राजेंद्र प्रसाद मीणा 13 नवंबर 2021 को मणिपुर के विहंग कस्बे में आतंकवादी हमले में शहीद हो गए थे

राजस्थान राज्य अहिल्या बाई होल्कर बोर्ड का गठन

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान राज्य अहिल्या बाई होल्कर बोर्ड का गठन किया गया है। यह बोर्ड गडरिया (गाडरी), गायरी, घोसी (गवाला), पुर्बिया (धनपुर, गाडरी) जाति वर्ग की स्थिति का जायजा लेकर, प्रमाणिक सर्वे रिपोर्ट के आधार पर इन वर्गों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के सुझाव देगा।



जयपुर में बुधवार को हुई तेज बरसात से शहर में हर तरफ लंबा जाम लग गया। सीकर रोड पर ढेर के बालाजी व झोटवाड़ा में बरसाती पानी सड़क पर जमा होने से पानीपेच से चोमू पुलिया तक भारी ट्रैफिक जाम लगा रहा जिससे वाहन रेंग रेंग कर चलते रहे।

मोदी सरकार ने दिया राजस्थान को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा का उपहार

राजस्थान में स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा के विकास के लिए एक ऐतिहासिक दिन

3,600 करोड़ से अधिक की लागत से 5 नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन और 7 नए मेडिकल कॉलेजों का शिलान्यास

चित्तौड़गढ़, धौलपुर, सिरौही, सीकर और श्री गंगानगर में पांच नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन

बारां, बूंदी, करौली, झुंझुनू, सवाई माधोपुर, जैसलमेर और टोक में सात मेडिकल कॉलेजों का शिलान्यास

दूरदराज के क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करेंगे

इन अस्पतालों में ओपीडी एवं मरीज के भर्ती होने, ऑपरेशन, आईसीयू समेत तमाम चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध

250 करोड़ से अधिक की लागत से 6 नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और जोधपुर के तिवरी में एक केंद्रीय विद्यालय का उद्घाटन

उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और डूंगरपुर में 6 नए एकलव्य विद्यालयों से इन जिलों के जनजातीय समुदायों को लाभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा

27 जुलाई 2023, सुबह 11 बजे, सीकर (राजस्थान)

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डी डी न्यूज़ पर

#RESTRO-REVIEW

The Dome

On top of a heritage building at Panch Batti is The Dome - a restaurant that derived its name from the two domes on its roof.



Sadhana Garg

Monuments they say have life woven into them. In Jaipur Panch Batti is a landmark that for Jaipurites has a coveted cultural and historical importance. It is not only the intersection between MI Road on two sides, New Colony on one side and Bhagwandas road on the opposite side but is most central and approachable.

On top of a heritage building at Panch Batti is The Dome - a restaurant that derived its name from the two domes on its roof.

On the 1st floor is a well-stocked bar. You name it and they have it all. Beer, red wine, white wine, sparkling and buzzers. What is unique is the royal heritage "princely liqueurs" - mocktails and heritage recipes fermented with wood, spices, herbs, nuts, dry foods, seeds, barks roots, and dairy products.

Royal Chandra Hass Gulab, paan, saunf, kesar kauri are some of the favourites that are guzzled by jaipurites. In the menu you will find out them in the "Heavy Mahal Cocktail" section. Chandra Hass coffee and lime concoction listed as "Dome Special" is an all-time summer cooler and is only matched by Panch Batti Special somaras, mixed fruit served with caramel.

The Dome's all-plant based menu is both inventive and intriguing. So a simple Palakpatti chat has acquired a specialty status because of the works that go into it - masala, potatoes, chutney fresh pomegranate seeds and zero number save. It is a near ritual for Dome guests to reveal in it.

The Tandour section that long went global is dominated by the variety of Paneer Tikkas of different flavours, baby corn and dhania chaap are also good to go.

In the main course section you have the Mexican and Chinese sizzlers.

Having tried the former, it was more of Indian Mexican, than Mexican Mexican. No menu seems to be complete without the Italian pastas and so is the case with the Dome.

The Lasagne Shots - an inventive starter that has lasagne sheet fried and rolled with green vegetables and herbs served with cheese is also a signature dish. Mushroom kurkure, Lebanese Hummus platter and grilled barbecue cheese steak are a meal in a dish category.

For those who still love their desi roti subzi - don't be apologetic about it. Thanks to our Indian chefs in every



nook and corner "Ghaas phoos" a derogatory term once used for all plant based diet is a fad in high places. Not only are the vegetarians in big league but their food is in demand.

The plant forward menu is the new anthem of foodies. The Dome too is not far behind. Not only has it given an Indian flavour to Western dishes but has also been creative in serving Indian food.

For those who still need the roti sabzi to have a good night sleep, there's the Main Course section.

The Dual Kofta served in spinach and tomato is a good variant to try and for those who love their veggies, there is spicy Subz Kolhapuri, Exotic Veg Masala - imported vegetables cooked in onion, tomato masala gravy. There are more vegetables on the menu just as there are three different dals to choose from.

At The Dome food globalization as everywhere else has all kinds of Pastas, the more popular salads like Couscous, Green and Chef Salad in garlic lemon honey dressing. Bell peppers, cucumber, carrot, onion, tomato iceberg lettuce, paneer and cheese served with garlic lemon honey dressing makes it refreshing and healthy. Variety of soups find a place though the cream of broccoli could do with less of white sauce.



Siberian Cranes, the most prized winter visitor to Keoladeo swamps. Photo: S.S.

A newly wedded person in me was looked forward to taking out my wife Archana who was studying in MSC Final at Kanpur, to Ghana bird sanctuary. During Christmas Vacation, Archana, a Botany student, showed keen interest in observing both flora and fauna of Ghana on her very first outing. Finally, she joined the family after exams in summer of 1969. But summer outings in Ghana were few and far between.

Indira Gandhi Had The Ugly looking Facilities

At Ghana Demolished At once



IC Srivastava IAS (Retd) and former Barmer District Magistrate (1970-72)

Memory clearly recalls early winter days in November of 1968 when Deputy Conservator of Forest, Bharatpur Shri VS Saxena invited me to visit Paradise of Birds in Ghana Sanctuary, after I had settled down to my first independent charge of SDO/SDM Bharatpur as IAS Officer.

Though main breeding season of the 13 piscivorous birds was over yet some late breeders from painted storks, the most fascinating one among these colony breeders, were hanging on the nests with their chicks, while others were busy in training their grown up young ones to catch fishes from the wide spread lakes of this wonderland.

Several species of emergent vegetation had created green prairies in various patches over these lakes, providing perches to egrets and herons while the jet black pan kauvas (cormorants) were displaying their swimming talent in open waters. They have developed a unique technique of fishing through surrounding and trapping them in a corner and then to devour them. The large cormorant, as big as a duck in size works like a killing machine while fishing.

This bird sanctuary working as a central station on the Central Asian flyway for migratory birds, attracts thousands and thousands of ducks, geese and cranes every winter.

By this time lakes were full of

#BIRDS

these charming winged creatures on visit to this magic land, taking trans Himalayan arduous journey of over thousands of miles.

Mesmerizing sights of nesting and gliding birds all the way up to Keoladeo temple were a feast to the eye. A newly wedded person in me was looked forward to taking out my wife Archana who was studying in MSC Final at Kanpur, to Ghana bird sanctuary. During Christmas Vacation, Archana, a Botany student, showed keen interest in observing both flora and fauna of Ghana on her very first outing. Finally, she joined the family after exams in summer of 1969. But summer outings in Ghana were few and far between.

With the arrival of winter we had frequent outings on our small two light wheeler motorcycle. A sudden weekend trip added another story to our kitty. Mr JK Sharma ADM invited both of us to Maharaja's Kothi Kadamb Kunj in the interior of Ghana. In hush tone we quietly sat on the edge of small bund also locally called 'bundiy'.

Lo and behold! Our eyes caught a glimpse of some 60-70 Siberian Cranes, snow white feathered with typical red beak and face from a distance of 50-60 metres and we snapped them in the old time black and white camera. Such a large number of rare Siberian Cranes were never witnessed again in our unimpeachable visits to our very own Ghana as it was locally and colloquially called.

We had several trips to Ghana and enjoyed the Birds' heaven in its

different moods, till I got transferred from here, but luck brought me again to this paradise.

In February 1976 as State Protocol Officer, I had the historic opportunity to make all arrangements for the all powerful PM Indira Gandhi and family on a scheduled visit to Ghana Sanctuary and Deeg Palaces. Mrs. Gandhi stayed in the newly constructed ITDC Lodge along with her entire family comprising her sons Rajiv, Sanjay with their wives and both the grand children Rahul and Priyanka.

Haridev Joshi, the then Chief Minister of Rajasthan stayed at Shanti Kutir Forest Rest House. Early morning before dawn, we were witness to Shri VS Saxena EX-DFO Bharatpur on driver's seat of the station wagon kind of a vehicle and Padma Vibhushan recipient the great ornithologist and naturalist Dr Salim Ali, popularly known as 'Birdman of India', standing behind Mrs. Gandhi as her guide. Mr. Joshi was a mute spectator from the roof top of Shanti Kutir like us.

Apart from the sanctuary personnel, much to the disappointment of her own Party's leaders of the region, no one was allowed to be seen roaming around in the sanctuary throughout the Prime Minister's visit. The party also availed the boat ride after breakfast. The Prime Minister in particular showed great interest in the Siberian Crane as well as other migratory and heronry birds.

With Salim Ali she had an excellent guided tour as her face beamed with joy even as myriad problems posed varied challenges in the ongoing Emergency.

She wrote in the visitor's book, 'A delightful and peaceful experience, made enjoyable and interesting by having Shri Salim Ali with us. I



In Feb 76, Mrs. Indira Gandhi visited Ghana with family. Haridev Joshi, then CM Raj, presenting a gift to Madam Sonia Gandhi.

hope something will be done about the arterial road, which brings buses and noise into the middle of the sanctuary.

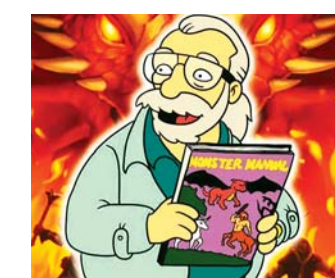
It was her visit that paved the way for the closure of the arterial road passing through the heart of the sanctuary, for all kinds of traffic except with the permission of the sanctuary management.

Unsurpassable Joy

The afternoon trip to Deeg Palaces with family members accompanying Mrs. Gandhi was followed by high tea and snacks personally supervised by the Kashmiri, Shri VN Kak, Chairman Hotel Corporation and served in the courtyard along the main Palace overlooking lake waters in the backdrop. As I walked along just to oversee arrangements, I thought of politely addressing Rajivji as a gesture of courtesy but I refrained from doing so as it might be intrusive.

In the evening before dinner, two large paintings were presented to Mrs. Gandhi by CM Joshi. We were also witness to the occasion.

Mrs. Gandhi directed that apparently ugly looking Facilities newly built between ITDC lodge and Shanti Kutir road should be demolished. Orders were complied with



Gary Gygax Day

Gary Gygax, along with Dave Arneson, was the creator of Dungeons and Dragons, also affectionately known as D&D. This game was first introduced to the world in 1974 as one of the first tabletop fantasy role-playing games, and it has only grown in popularity over almost five decades of play. Now, with an estimated three million tabletop Dungeon Masters located all over the world, and approximately 50 million active players, Dungeons and Dragons is a game to be taken very seriously!



Painted Storks Feeding on fishes.

As flood receded time passed slowly and steadily with the hearing balm of chirping of lakhs of birds with painted storks dominating the landscape with nesting and nurturing their young ones.

Shri Saini and team including robust Hukum Singh, boat in charge oozing confidence were encouraging tourists to go out in boats to enjoy sighting of storks, geese, herons, egrets, spoonbill, pochards, pintail, coot, teal, shoveller and Surkhhab aka Brahmini ducks.

The pinnacle of Param Anand came when my father in law Shri PC Saxena, an IAS Officer and then Commissioner Rural Development in UP visited Mallah area talab in December 1977 filled to full capacity with Surkhhab shining in the morning sunlight and their golden hue wings flapping with joy and filling us with unsurpassable joy - once a life time experience.

Shri Saxena expressed his joy thus "Dinesh! (my nickname) Aisa Anand kabhi nahin mila or n kabhi milega. Kaise kahoon?"

I too was overwhelmed with joy embodied and we became emotional with words failing to express our consummate delight and feast to the eye.

Revival of Ghana

My relationship with this birds' paradise continued even after my transfer from here. With my posting at Jaipur as a concomitant of Secretary's job at State level one is required to visit District headquarters in connection with inspections or periodic meetings for various purposes. Thus I continued to visit Bharatpur with mandatory outing to Ghana Sanctuary as Secretary Tourism and Social Welfare. But as Divisional Commissioner Jaipur I more frequently toured districts including Bharatpur and Dholpur. Every visit had some new stories in our kitty with Snigdhya and Palash, my children, making them more enjoyable and fruitful.

It was this time in 1990 that during one of my visits to Ghana I met Sunjan Sharma, a young dynamic forest officer. His knowledge was amazing about the entire ecosystem of this World famed reserve. It was his passion for nature that in 2006 when Ghana was dying for want of water and choking of the lakes by the fast spreading weed Prosopis juliflora, popularly known as Vilayati Babool, he accepted the challenge of its revival as Director of the Park. He created new resources of water by tapping flood waters of Chikksana canal and Govardhan Drain. Today these are lifelines to the Park. Prosopis juliflora shrubs to huge trees all were uprooted through people's participation, without spending a single penny from the Government



Intermediate Egrets in breeding plumage during courtship. Photo: SS



Alert flock of Lesser Whistling Teals.



Spotbill ducks.

exchequer. The joint World Heritage Centre/IUCN Mission immensely appreciated this innovative initiative in their report.

Revival of Ghana was hailed by birders World over and was a matter of special joy to us as we were deeply passionate about this paradise.

However memories of 65-70 snow white Siberian Cranes in 1969 and of Brahmini ducks in 1977 with golden Surkhhab wings have lingered long to make life more joyful and worth living.

rajeshsharma1049@gmail.com

#ARCHITECTURE

Why Do Archaeologists Rebury Their Excavations?

The practice helps preserve the site for future researchers, who might be able to assess the site with more modern tools and techniques



Hadrian's Wall in northern England is a popular tourist spot for those interested in British history. This year visitors will get the chance to see the Roman bathhouse at Birdswald Roman Fort before it is reburied by archaeologists.

Birdswald was a Roman military base on Hadrian's Wall, which was built in the 120s C.E., during the reign of Emperor Hadrian. At the time of its construction, it occupied the northernmost reaches of the Roman Empire, stretching some 73 miles from east to west.

The bathhouse, which was discovered in 2021, is just outside of the Roman fort and is in an area known as an extramural settlement. These areas are thought to have housed a mixture of families of soldiers, civilians, traders and service providers. They commonly contained houses, communal spaces, workshops, taverns and other facilities you would find in a sprawling military town.

Two years after making the discovery the excavating team has announced it will be reburying the bathhouse, which might seem odd to many. I've worked on several excavations on Hadrian's Wall, and I'm the regional editor for reports on discoveries there. The bathhouse is not the first find to be buried again, and it won't be the last.

Reburial is a common archaeological practice that happens once researchers have found and excavated as much as they had planned to. It will help preserve the site for future archaeologists who might have updated methods and can study the evidence better or ask new questions.

A Destructive Process The excavation at Birdswald aims to put the occupation of the military forts on Hadrian's Wall into a wider perspective and provide

a rare look at the lives of ordinary people living around the wall in Roman times.

The bathhouse is preserved in parts to a height of around 6.5 feet and contains a heated room known as a hypocaust. This is a system of water supply, which most likely led to a water heating system.

Parts of every excavation—for example, soil deposited within the bathhouse interior, a Roman floor or contents of a storage pit—are effectively being destroyed when archaeologists dig through them. Once something has been dug out, it cannot be excavated again.

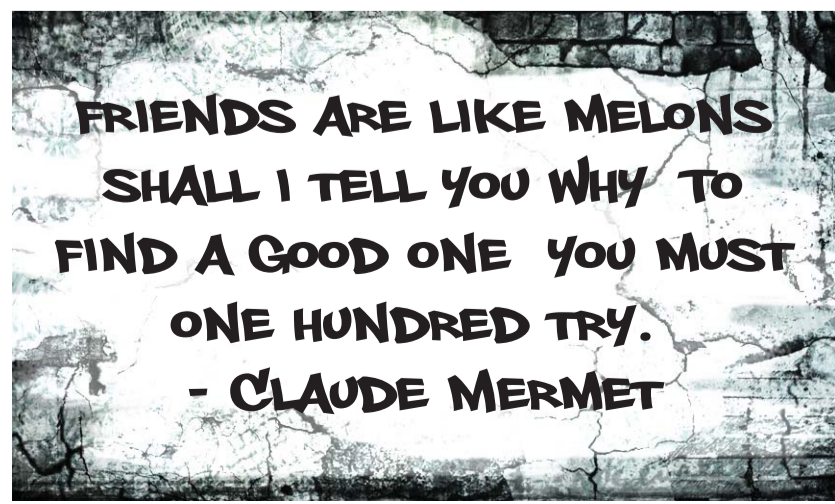
For this reason, archaeologists must meticulously record the excavation, publish its results and preserve what's been dug out and what remains in place—or as archaeologists say, using a Latin phrase, what remains "in situ."

Because of the destructive nature of excavations, archaeologists rarely excavate whole buildings or sites. Instead, a careful excavation strategy is made to target the areas that are likely to yield the most useful information.

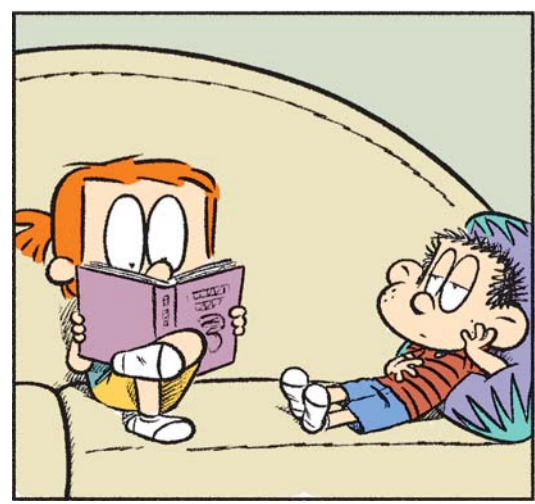
At Birdswald, several areas outside the fort were targeted for excavation, including the bathhouse and the main road leading out of the fort. It's common practice to only dig out half of the features, because a sample of recovered material is generally enough to get an idea of the function of what's being excavated. Also, much of the physical labor of fieldwork is manual, so it takes a lot of time.

Unless a site is threatened with destruction due to development work or erosion, the dig team leaves sites with much of the archaeology pretty much intact. This allows future archaeologists to revisit the site and gain new information from the parts of it that remain undisturbed.

THE WALL

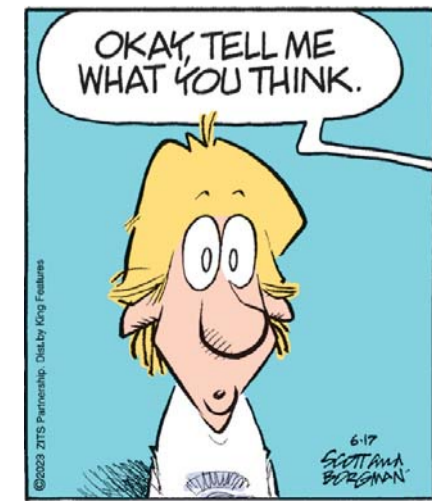


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

चोरी करने घर में घुसे बदमाशों ने परिवार जनों पर हमला किया

हमले में तीन घायल, नगदी सहित आभूषण पार

भीलवाड़ा, (निस)। जिले के कोटडी थाना क्षेत्र के रेडवांस गांव में बीती रात अज्ञात चोर चोरी की घटना को अंजाम देने घर में घुसे, जहा चोरों ने परिवार के लोगों के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया, हमले में दंपति सहित एक अन्य महिला घायल हो गईं। तीनों का जिले की चिकित्सालय में उपचार जारी है। चोरी की घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। एकाएक हुई दोनों घटना से गांव में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल मच गया और करो में चीख-पुकार मच गई। चोरों ने दंपति को लाठी-डंडों से पिटा, तो अन्य महिला को गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। वहीं चोर यहां से सोने चांदी के आभूषण के साथ नकदी लूटपाट कर भागने में कामयाब रहे। सूचना पर कोटडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।



घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार चोरों ने बीती रात रामकुमार जाट के घर में दीवार फांद कर घुसे और सो रही पत्नी शांता के गले से सवा तोला सोने का लॉकेट व मोती काट लिया, इसमें शांता की नौद खुल गई और चोर से 10-15 मिनट तक संघर्ष किया। इतने में रामकुमार की नौद खुल गई। यह

देखकर चोर ने शांता की गर्दन पर हमला कर चोर भागने लगा, तब रामकुमार ने पकड़ने का प्रयास किया,

तो घर के बाहर खड़े चोर के दूसरे साथियों ने रामकुमार के ऊपर पत्थर

फेंक कर हमला किया, जिसके बाद चोर भाग गया। गर्दन पर धारदार हथियार के हमले से शांता घायल हो गई। दूसरी ओर खेत पर मकान में दंपती पर धावा बोला, वहां सो रहे रामेश्वर बलाई व पत्नी भैरी को चोर चाकू दिखाकर सोने-चांदी के आभूषण व नकदी अपने आप को सौंपने की मांग की। नगदी व आभूषण लेकर चोर भागने लगे तो रामेश्वर ने चोरो का पीछा किया, तो चोरों ने रामेश्वर पर लकड़ियों से हमला किया।

बीच-बच में आई भैरी पर भी हमला किया। चोर वहां से 5 तोला सोने के आभूषण, चांदी का कड़ा, सोने की बाली, एक मादलिया व खाखले में छिपाकर रके 60 हजार की नगदी को लेकर फरार हो गए। यहां चोरों ने करीब आधे घंटे तक दंपति के साथ मारपीट करते हुए चाकू से डराया धमकाया। इसके बाद ग्रामीणों के पता चला तो ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। वहीं पुलिस को सूचना दी, सूचना पर कोटडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, तीनों घायलों का जिला मुख्यालय स्थित चिकित्सालय में उपचार जारी है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त की मांग की है।

दिनदहाड़े पचास लाख की चोरी

लाखों रुपए की नगदी सहित सोना-चांदी के जेवरात चोरी

सूरौट, (निस)। कस्बे में चोरों ने दिनदहाड़े सूने मकान में करीब 50 लाख रूपये चोरी की वारदात को दिया अंजाम जिसमें लाखों रुपए की नगदी सहित सोना चांदी के सामान की चोरी को चोरों ने दिनदहाड़े दिया अंजाम जिससे लोगों में दहशत फैल गई। थोड़ी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की।



चोरी के बाद घर में बिखरा पड़ा सामान।

कस्बे निवासी विष्णु गोयल भुकरावली वालों के घर शिवचरण सेट वाली गली में है जिसमें माला पिता बगल के मकान में सो रहे थे एवं स्वयं विष्णु बाजार में कपड़े की दुकान पर था एवं एक बच्चा एवं बच्ची विद्यालय गए हुए थे। विष्णु की पत्नी हिंडीन किसी कार्य को करने के लिए गई थी। दोपहर करीब 12 बजे सूने मकान में चोरों ने मेन गेट की कुंडी तोड़कर घर में प्रवेश किया एवं अंदर जाकर कुण्डी लगाकर जिस कमरा में नगदी व सोने व चांदी का सामान रखा हुआ था। उस कमरे का कुंडी तोड़कर अंदर गोदरेज की अलमारी तोड़ी गोदरेज की अलमारी में रखे 15 लाख नगद एवं

600 ग्राम सोना जिसमें कामिनी, हार, लर व चांदी के सामान को चोर

ले गए। कपड़ों को फैलाकर भाग गया। दोपहर 1 बजे बाद जब बच्चे छुट्टी

के बाद घर आए तो गेट नहीं खुला तो बच्चों ने अपने बाबा को कहा तो बाबा

ने खोलना चाहा तो गेट नहीं खुला तो विष्णु गोयल को सूचना दी। विष्णु ने धक्का देकर गेट खोला तो गोदरेज की अलमारी देखकर अचंभित रह गए। मौके पर नगद नहीं मिला एवं सोना चांदी का सामान नहीं मिला तथा कपड़े फेले मिले। सूरौट थाना पुलिस को सूचित किया। मौके पर एएसआई जयसिंह गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर चोरी की घटनाओं की जांच पड़ताल करने लगे तथा 2 घंटे बाद थाना प्रभारी कैलाश बैरवा मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

सूरौट अग्रवाल समाज के अध्यक्ष घनश्याम मंगल ने कहा कि कस्बे में बड़े भाई के बच्चे विष्णु गोयल के घर में अज्ञात चोरों द्वारा दिनदहाड़े चोरी की घटना होने से जिसमें सोने चांदी सामान सहित नगदी सहित पचास लाख की चोरी की घटना हुई। पुलिस जांच चोरी की घटनाओं की सही जांच पड़ताल नहीं की जाती है जिससे बदमाशों के होसलें बुलंद हो रहे हैं। लोगों ने कहा कि अगर चोरी की घटना का खुलासा नहीं हुआ तो सर्व समाज सूरौट के द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

दोस्तों में हुये झगड़े की झूठी सूचना वायरल, तनाव फैला

साम्प्रदायिक तनाव बनाने का षडयंत्र विफल, पांच गिरफ्तार



मालपुरा के गणवर गांव में उपजे तनाव के बाद ग्रामीणों ने मालपुरा थाना परिसर में धरना प्रदर्शन किया।

मालपुरा, (निस)। अतिसेवेदनशील मालपुरा थाना क्षेत्र के गणवर गांव में मंगलवार की देर रात्रि को दो दोस्तों में हुये झगड़े को झूठी सूचना वायरल कर साम्प्रदायिक तनाव बनाने के षडयंत्र पर समय रहते डीवाईएसपी सुशील मान व चार थानों के पुलिस जापते ने विफल करते हुए पांच जनों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज ने रात के दो बजे मालपुरा पहुंच गणवर पहुंचे एसडीएम महिला सिंह व डीवाईएसपी सुशील मान से मामले की जानकारी ले शांति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिये। मामले के अनुसार मंगलवार की देर रात्रि को गणवर गांव निवासी दो दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर हुई कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। दोनों पक्षों में हुये झगड़े व मारपीट के बाद एक पक्ष के युवक ने दूरभाष के जरिए धार्मिक स्थल पर पथराव व तोड़फोड़ की झूठी अफवाह फैला दोस्तों के विवाद को साम्प्रदायिक तनाव में बदलने का षडयंत्र रचते हुए धार्मिक स्थल पर पथर बिखेर दिये।

दोनों पक्षों में हुए झगड़े व गांव में

निर्दोषों की रिहाई व दोषियों पर कार्यवाही की मांग, ग्रामीणों ने थाने पर प्रदर्शन किया

उपजे तनाव की मिली सूचना पर मालपुरा, लामबाहरिसिंह, डिगी व पचेवर थानों के पुलिस जापतों के साथ गणवर पहुंचे एसडीएम महिला सिंह व डीवाईएसपी सुशील मान ने मौके के हालातों को देख पुलिस का जाल बिछा अफवाहों पर नियंत्रण करते हुए तत्काल मौके से रामस्वरूप पुत्र भैरु माली, धना पुत्र जागदीश, अजीज पुत्र बोदू खां, रोशन पुत्र सुबहान शाह व दिलशान पुत्र इकबाल शाह को पुलिस हिरासत में ले मौके पर जमा ग्रामीणों की भीड़ को वारदात स्थल से हटा धार्मिक स्थल को पुलिस सुरक्षा में ले कड़ा पुलिस जापा तैनात कर दिया।

एक पक्ष के लोगों द्वारा दोस्तों की लड़ाई को साम्प्रदायिक तनाव का रंग देने के मनसूबे से झूठी सूचना वायरल कर देने से जिला पुलिस अधीक्षक

राजर्षि राज ने मालपुरा के पुराने हालातों को गंभीरता से लेते हुए रात के दो बजे मालपुरा पहुंचे अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। झूठी अफवाह फैला धार्मिक स्थल को आड में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर पुलिस अधीक्षक ने सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये। रात्रि में की गई गिरफ्तारियों में निर्दोष युवकों की हुई गिरफ्तारी का विरोध कर दोनों युवकों की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर बुधवार की सवेरे गणवर के ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रोलियों में सवार हो मालपुरा थाने पहुंच प्रदर्शन करते हुए धरना शुरू कर दिया।

सूचना मिलने पर पहुंचे विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने ग्रामीणों से समझाईश कर एसडीएम व डीवाईएसपी सहित थानाधिकारी से घटनाक्रम में लेकर लम्बी चर्चा के बाद गिरफ्तार किये गये निर्दोष लोगों की रिहाई व दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग पर पुलिस व प्रशासन के मिले आश्वासन व सकारात्मक रूख के बाद विधायक की समझाईश पर ग्रामीणों ने शांति व कानून व्यवस्था में प्रशासन के मिले सहयोग करते हुए धरना प्रदर्शन समाप्त किया।

सतीश पूनिया ने कांग्रेस सरकार की विफलताओं के पत्रक बांटे

जयपुर ग्रामीण और आमेर क्षेत्र में दिनभर बैठकें कर लोगों को प्रधानमंत्री मोदी की सीकर में होने वाली जनसभा में पहुंचने का आग्रह किया

जयपुर। जयपुर ग्रामीण और आमेर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने दिनभर मर्राशन बैठकें कर जनसम्पर्क एवं संवाद किया।

27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीकर आगमन और जनसभा एवं 1 अगस्त को जयपुर में प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को पहुंचने की सतीश पूनिया ने किसानों और युवाओं से अपील की। नहीं सहंगा राजस्थान अभियान के अंतर्गत भाजपा प्रदेश के

सभी जिलों, विधानसभा क्षेत्रों और मंडलों पर कांग्रेस सरकार का आ न किया। डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर देहात उत्तर और आमेर में आज दिनभर बैठकें लेकर 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीकर आगमन और अगस्त पूर्णिया में आमजन को प्रक बांटे और 2023 के विधानसभा चुनाव में जनविरोधी कांग्रेस सरकार को सत्ता से

उखाड़ फेंकने और प्रचंड बहुमत की भाजपा की सरकार बनाने का आ न किया। डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर देहात उत्तर और आमेर में आज दिनभर बैठकें लेकर 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीकर आगमन और अगस्त पूर्णिया में आमजन को प्रक बांटे और 2023 के विधानसभा चुनाव में जनविरोधी कांग्रेस सरकार को सत्ता से

भाजपा महिला मोर्चा का धारीवाल के आवास पर प्रदर्शन

जयपुर। "नहीं सहेगा राजस्थान" अभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी, प्रदेश व जिला पदाधिकारियों ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के सरकारी आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉ. रक्षा भंडारी ने कहा कि राजस्थान महिला अपराध के मामलों में राजस्थान में नंबर एक पर है। प्रदेश में जिस तरह आए दिन महिलाओं के साथ दुष्कर्म और हिंसा की घटनाएं हो रही हैं गहलोत सरकार आधी आबादी को सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम रही है। कांग्रेस की गहलोत सरकार में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है। सड़क से लेकर स्कूल, कॉलेज, कार्यस्थल पर महिलाएं सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री गहलोत के जंगल राज के खिलाफ "नहीं सहेगा राजस्थान" अभियान के तहत आज 200 विधानसभा में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं छोटी चौपड़ पर भी विरोध प्रदर्शन किया गया। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष

"लाल डायरी" लहराकर और थाली नाद कर जताया विरोध

जयश्री गर्ग ने कहा कि जिस तरह प्रदेश में कानून व्यवस्था है उसके चलते आज महिलाएं और बच्चियां घर से बाहर निकलने से डरने लगी है। इस सरकार ने अपने साझे चार साल के शासन में सिर्फ जंगल राज किया है, लेकिन अब वक्त आ गया है सरकार की विदाई का। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री सरिता गौा, प्रदेश उपाध्यक्ष राधा भारद्वाज, प्रदेश मंत्री दीपा नाथावत, ज्योति ज्ञानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी स्नेहा काम्बोज शर्मा, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक वल्लिका सेन, महिला मोर्चा जयपुर जिला अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, अमरावती शर्मा, अंजू मिश्रा, एकता अग्रवाल आदि अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रही।

मृतक के परिजनों ने धरना देकर लगाई न्याय की गुहार

करौली, (निस)। टोडाभीम के खेड़ी गांव में ट्यूबवेल के मामले में चल रहे धरना के दौरान एक व्यक्ति की मृत्यु होने का मामला गर्मा गया। मृतक के परिवारजनों सहित बसपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट पर धरना देकर न्याय की गुहार लगाई।

टोडाभीम क्षेत्र के खेड़ी गांव कि जाटव बस्ती में भाभाशाह रामनिवास मीणा द्वारा ट्यूबवेल खुदाई का कार्य

करवाया जा रहा था। जिसकी शिकायत पर पुलिस ने कार्य बंद करा दिया जिसको लेकर मामला जोर पकड़ गया। खेड़ी गांव के जाटव समाज के लोगों द्वारा ट्यूबवेल कार्य बंद करने का विरोध किया।

जानकारी के अनुसार ट्यूबवेल के मामले में चल रहे धरने के दौरान गत दिन मांगीलाल जाटव पुत्र राम प्रसाद जाटव निवासी खेड़ी 70 की तबीयत खराब होने पर उपचार के लिए उसे

अस्पताल ले गए जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके शव को टोडाभीम अस्पताल के मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। इधर मृतक के परिवार जन और गांव के समाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि ट्यूबवेल के चल रहे कार्य के दौरान एक जाति विशेष के लोगों ने विरोध कर मारपीट कर दी जिससे झगड़े के दौरान मांगीलाल के चोट लगने से मृत्यु होने का आरोप लगाया है।

पटवार घर पर किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

किशनगढ़ बास, (निस)। कालेबा बाग में 20 साल पहले से खंडहर में तब्दील हो रहे गंज पटवार घर व भूर पहाड़ी रोड घर बने पटवार विश्र्वाति भवन को होम्योपैथिक चिकित्सालय को अस्थाई दिए जाने की सिफारिश किए जाने को लेकर नाराज पटवार मंडल के पटवारियों ने 21 जुलाई को नगर पालिका पर गंज पटवार घर का गेट तोड़कर कब्जा करने एवं विश्र्वाति भवन को होम्योपैथिक चिकित्सालय अस्थाई बनाने का निर्णय लिया।

चार दिन पहले पटवार मंडल के पटवारियों ने 21 जुलाई को नगर पालिका पर गंज पटवार घर का गेट तोड़कर कब्जा करने एवं विश्र्वाति भवन को होम्योपैथिक चिकित्सालय अस्थाई बनाने का निर्णय लिया।

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है

पटवारियों का आरोप, नगर पालिका ने पटवार घर पर कब्जा कर रखा है



सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना सुरक्षित है और इसमें क्रेडिट का जोखिम नहीं है

<https://rbiretaildirect.org.in>



अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikehtahai.rbi.org.in/retaildirect> पर जाएं फ्रीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मोदी द्वारा उद्घाटित अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर की लागत 2700 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 26 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रगति मैदान में अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम का उद्घाटन कर देश को समर्पित किया। यह परिसर देश में अंतर्राष्ट्रीय बैठकों, सम्मेलनों और प्रदर्शियों की मेजबानी के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर आधारित है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत मंडपम को देखकर हर भारतीय आनंदित है और गर्व महसूस कर रहा है। भारत मंडपम देश के सामर्थ्य और नई उर्जा का आव्हान है। भारत मंडपम भारत की भव्यता और इच्छाशक्ति का भी दर्शन है।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज वह हासिल कर रहा है जो पहले अकल्पनीय था, इसलिए विकसित होने के लिए देश को बड़ा सोचना ही होगा। उन्होंने कहा, इसी सिद्धांत को अपनाते हुए भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में नकारात्मक सोच वाले लोगों की कमी नहीं है क्योंकि उन्होंने इस निर्माण को रोकने के लिए भी बहुत कोशिशें कीं। उन्होंने कहा कि जहां सत्य होता है, वहां ईश्वर भी होता है। अब यह सुंदर परिसर आपकी आंखों के सामने मौजूद है।

- 123 एकड़ के भूभाग में बने कन्वेंशन सेंटर को देश की सबसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बैठकों, सम्मेलनों की मेजबान स्थली के रूप में विकसित किया गया है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में "भारत माण्डपम" नाम के इस अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया व इसे देश को समर्पित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नकारात्मक सोच वालों ने इस परियोजना को भी लटकाने का प्रयास किया लेकिन भारत मंडपम को देखकर आज हर भारतीय खुशी से भरा हुआ है और गर्व महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा, भारत मंडपम आव्हान है भारत के सामर्थ्य का, भारत की नई ऊर्जा का। यह भारत की भव्यता और इसकी इच्छाशक्ति का दर्शन है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली राजग सरकार के तीसरे कार्यकाल में वृद्धि की रफ्तार और तेज होगी और देश दुनिया की

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की फितरत होती है, हर अच्छे काम को रोकने की और टोकने की। उन्होंने राजपथ का नाम कर्तव्य पथ किए जाने के दौरान विपक्षी दलों के विरोध की ओर इशारा करते हुए कहा कि उस समय भी अदालत में ना जाने कितने मामले उठाए गए थे। उन्होंने कहा, जब कर्तव्य बन गया वे लोग भी दबी जुबान से कह रहे हैं अच्छा हुआ है जो देश की शोभा बढ़ाने वाला है। मुझे विश्वास है कुछ समय बाद भारत मंडपम के लिए भी वह टोली खुल करके बोले या ना बोले लेकिन भीतर से तो स्वीकार करेगी। हो सकता है किसी समय यहां भाषण देने भी आए।

भारत ने चावल निर्यात पर लगाया प्रतिबंध, अमेरिका में मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली, 26 जुलाई। भारत सरकार ने आगामी त्योहारों के दौरान घरेलू सप्लाई बढ़ाने और कीमतों को काबू में रखने के लिए गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इस प्रतिबंध का असर अमेरिका में भी दिखाई दे रहा है। चावल पर प्रतिबंध लगाने के बाद अमेरिकी दुकानों में लंबी कतारें और बेहद अस्त-व्यस्त माहौल देखने को मिल रहा है। बता दें कि भारतीय खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि गैर-बासमती उसना चावल और बासमती चावल की निर्यात नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। कुल निर्यात में दोनों किस्मों का हिस्सा बढ़ा है। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल

को लेकर भगदड़ मची हुई थी। कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं जिनमें लोगों को ज्यादा से ज्यादा चावल बैग खरीदते देखा जा सकता है। हालांकि अब एक परिवार, एक चावल बैग के नियम से अफरातफरी शायद कम हो। इस कदम का उद्देश्य चावल के वितरण में निष्पक्षता लाना और अन्य लोगों के लिए स्टोर तक पहुंच को आसान बनाना है। भारत द्वारा चावल निर्यात पर अचानक प्रतिबंध लगाने से आने वाले समय में अनाज की कीमत पर असर पड़ने की संभावना है। मूल्य वृद्धि की उम्मीद ने लोगों को अनाज की जमाखोरी करने और इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए

- चावल की कमी की आशंका के मद्देनजर अमेरिका की सरकार ने चावल खरीदने के लिए कोटा सीमित करने की घोषणा कर दी है। अब एक परिवार को मासिक तौर पर मात्र एक चावल का बैग ही खरीदने की इजाजत होगी।

में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है। अब अधिक से अधिक एनआरआई और एशियाई लोग चावल खरीदने के लिए दुकानों पर इकट्ठा हो रहे हैं। इसे देखते हुए कई अमेरिकी दुकानों ने चावल की खरीददारी को लेकर कुछ प्रतिबंध लगा दिए हैं। कई दुकानों ने अफरातफरी से निपटने के लिए प्रति परिवार केवल 1 चावल बैग का विकल्प चुना है। यानी एक परिवार केवल एक ही चावल का बैग खरीद सकता है। इन प्रतिबंधों से पहले, कई सुपरमार्केट चैन में चावल खरीदने

ज्यादा कीमत पर बेचने के लिए प्रेरित किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौर्रींचस ने ग्लोबल कीमते बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम को जल्द वापस लिया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि वह भारत को चावल की एक निश्चित श्रेणी के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने के लिए "प्रोत्साहित" करेगा, क्योंकि इससे वैश्विक मुद्रास्फीति पर असर पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी

नई दिल्ली, 26 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत उनके तीसरे कार्यकाल में दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा रुकने वाली नहीं है। पीएम ने कहा, ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल में, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ये

मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल एग्जिबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये टिप्पणी की। इस कन्वेंशन सेंटर को भारत मंडपम नाम दिया गया है। नीति आयोग की रिपोर्ट के आंकड़ों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच साल में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं। पीएम मोदी ने

- 'मेरे तीसरे कार्यकाल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन जायेगा भारत'।
- प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में इंटरनेशनल एग्जिबिशन कम कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन करते हुये कहा, यह मोदी की गारंटी है।

कहा, "अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भी कह रही हैं कि भारत में भौषण गरीबी खत्म होने की कगार पर है। इससे पता चलता है कि

पिछले नौ वर्षों में जो फैसले और नीतियां बनाई गई हैं, वे देश को सही दिशा में ले जा रही हैं।"

विरोधियों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोगों की प्रवृत्ति आलोचना करने और अच्छी परियोजनाओं में बाधाएं पैदा करने की होती है। पीएम मोदी ने कहा, "जब कर्तव्य पथ बन रहा था तो कई बाते ब्रेकिंग न्यूज के तौर पर अखबारों के पहले पन्ने पर चल रही थीं। इसे अदालतों में भी उठाया गया, लेकिन जब इसका निर्माण हुआ तो उन्हीं लोगों ने कहा कि यह अच्छा है। मुझे यकीन

है कि यह टोली भारत मंडपम को भी स्वीकार करेगी और यह भी संभव है कि वे यहां किसी सेमिनार में व्याख्यान देने आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में 2700 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन परिसर को एक भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रम में बुधवार शाम राष्ट्र को समर्पित किया।



NHBH

NIMS HEART & BRAIN HOSPITAL
(A UNIT OF NIMS UNIVERSITY)

सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स

राजस्थान का पहला

ब्रेन स्ट्रोक सेन्टर

Accredited by World Stroke Association & in Collaboration with Siemens Healthineers

यदि ब्रेन स्ट्रोक का मरीज गोल्डन पीरियड (6 घण्टे तक) स्ट्रोक सेन्टर तक आता है तो शरीर में होने वाली समस्याएँ जैसे- लकवा (पेरेलेसिस) को पूर्णरूप से एवं 24 घण्टे तक अस्पताल आने पर भी मरीज का इलाज बिना चीर-फाड़ एवं बिना ऑपरेशन किया जाएगा

24x7 ब्रेन स्ट्रोक केयर टीम

- इन्टरवेंशनल न्यूरो रेडियोलोजिस्ट
- न्यूरोलोजिस्ट
- न्यूरो सर्जन्स
- न्यूरो एनेस्थेटिस्ट

एडवांस न्यूरो केयर आई.सी.यू.

उच्च श्रेणी एवं गुणवत्ता की मशीन

- ड्यूल सोर्स-ड्यूल एनर्जी 384 स्लाइस सीटी (राजस्थान में पहली)
- क्यू-जेन-डी.एस.ए. एवं कैथ लेब (भारत की पहली)

उपलब्ध सेवाएं:

- Complete diagnostic work-up of acute stroke
- Color doppler of neck arteries & Brain Angiography
- NCCT, contrast enhanced CT of Head, Head & Neck
- State of art CT Perfusion of brain in acute stroke
- A. I. assisted stroke evaluation, Intravenous thrombolysis
- CTA of Head, Head and neck arteries and veins
- Mechanical thrombectomy for acute stroke

यह सेन्टर निम्न मरीजों के लिए अत्यन्त उपयोगी है

- यदि आपको ब्रेन स्ट्रोक हुआ है (बी.पी. बढ़ने के कारण, मस्तिष्क की नसें फटने से लकवा होना)
- शरीर के किसी अंदरूनी भाग जैसे- आँतों, बच्चेदानी में या कहीं भी किसी भाग में ब्लीडिंग का इलाज
- मस्तिष्क के अन्दर, ब्लीड करती हुई नस एवं खून के थक्के को निकालकर लकवा रोग को ठीक करना
- कैंसर से शरीर में होने वाली किसी भी प्रकार की ब्लीडिंग को बिना ऑपरेशन रोकने के लिए
- इमरजेंसी ब्लीडिंग जैसे- एक्सीडेंट से खून निकलना, खून की उल्टी, पेशाब में खून आना
- हाथ एवं पाँव की नसों में थक्के के कारण हो रही समस्याएँ

उपरोक्त सभी का इलाज बिना किसी प्रकार की चीर-फाड़ एवं बिना ऑपरेशन के होगा

एमएस-नई दिल्ली एवं पी.जी.आई. - चंडीगढ़ के विशेषज्ञों द्वारा संचालित



प्रो. (डॉ.) संजीव शर्मा
MBBS, MD (Radio Diagnosis)
पूर्व प्रोफेसर, हेड-कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग विभाग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
निदेशक-इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग निम्न विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर



प्रो. (डॉ.) एन. खण्डेलवाल
MBBS, MD (Radio Diagnosis)
पूर्व प्रोफेसर, हेड-रेडियो डायग्नोसिस विभाग स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान शिक्षा एवं अनुसंधान, चंडीगढ़ (PGIMER, Chandigarh)
निदेशक-रेडियो डायग्नोसिस विभाग निम्न विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर



डॉ. संदीप मुद्गल
MBBS, MD, DM (Interventional Radiology)
पूर्व सहायक प्रोफेसर स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान शिक्षा एवं अनुसंधान, चंडीगढ़ (PGIMER, Chandigarh)
सहा. आचार्य-इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग निम्न विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर



डॉ. मनीष शर्मा
MBBS, MD, DM (Interventional Radiology)
पूर्व सहायक प्रोफेसर कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग विभाग अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
सहा. आचार्य-इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग निम्न विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर



डॉ. कमलेश चौधरी
MBBS, MD, DM (Neurology)
पूर्व सीनियर रेजिडेंट न्यूरोलॉजी विभाग एम.एच.एस. अस्पताल-जयपुर सह-आचार्य न्यूरोलॉजी विभाग निम्न विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर



डॉ. रवि जाखड़
MBBS, MD, DM (Neurology)
पूर्व सीनियर रेजिडेंट न्यूरोलॉजी विभाग पी.जी.आई.-चंडीगढ़ सहा. आचार्य-न्यूरोलॉजी विभाग निम्न विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

प्रतिदिन ओपीडी एवं 24x7 आपातकालीन सेवाएं

पता: बी-28, 29, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, जयपुर -302004
सम्पर्क करें:-TOLL FREE: 1800 890 4000, 9116010477

राष्ट्रदूत (एच.यू.ए.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शांतिंग सेंटर, टॉक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrudt@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायका हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-पूषा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्स्टीट्यूट ऑफ़, फेस प्रथम, जालौर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोलसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोलसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चुरू कार्यालय:- एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चुरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908